



नवनियुक्त राजस्व
कर्मचारियों को पंचायतों में
किया गया पदस्थापित

बक्सर। जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा मंगलवार को कलेक्टर परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में 58 नवनियुक्त राजस्व कर्मचारी के पदस्थापन रेंडमाइज़ेशन साप्टवेयर के द्वारा किया गया। जिसमें पांच नवनियुक्त राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे। पांच नवनियुक्त राजस्व कर्मचारी में से एक नवनियुक्त राजस्व कर्मचारी के द्वारा बटन डाक्टर रेंडमाइज़ेशन किया गया। जिसके बाद कुल 58 नवनियुक्त राजस्व कर्मचारी का प्रछण्डवार पंचायत में पदस्थापित किया गया। इस क्रम में स्थाना उप समाहर्ता बक्सर, सॉफ्टवेयर आईटी मैनेजर एवं डीआईओ उपस्थित थे।

प्रवासी मजदूर की
विधायी पानी को दी गई
अनुदान राशि

बक्सर। मस्कट में कार्य कर रहे प्रवासी मजदूर एवं धर्मेन्द्र पाल का मस्कट में देहान हो जाने के उपरान्त मस्कट सरकार के द्वारा अनुदान की राशि उपलब्ध कराई गई थी। जिसके आलोक में आज दिनांक 27 सितम्बर को जिलाधिकारी बक्सर अमन समीर के द्वारा समारणालय परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में स्व. धर्मेन्द्र पाल के अंतिम पत्री धनवन्ती देवी ग्राम-कथराई, पोस्ट-मानिकपुर, थाना-धनवन्ती को 28,33,495 रुपये की अनुदान राशि दी गई।

बक्सर के शहरी क्षेत्र में प्रभावी हुआ वन वे ट्रैफिक सिर्टम

बक्सर। दुग्धार्प्तजा त्योहार को लेकर प्रशासन तैयारी की अमलीजामा पहाने के लिए अंग्रेज पड़ाव पर हैं यानी पूजा के दौरान भीड़भाड़ से नियंत्रण के लिए घर-घर में वन वे ट्रैफिक नियम को लागू कर दिया है। हालांकि वहले दिन इस दिनों जिले में बारिश का देखा जा रहा है। जिले में

विधायक करना एक गुण है, अविधायक दुर्लाला कि जननी है।

एमसीपी कार्ड से लाभुकों को दी जाने वाली सेवाओं की मॉनिटरिंग आयान

- एमसीपी कार्ड में लाभुकों को मिलने वाली सेवाओं की जानकारी दर्ज करना अनिवार्य
- 12 वें सप्ताह के अंदर गर्भवती महिलाओं का किया जाता है पंजीकरण



टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच आदि शामिल है। साथ ही, शिशु और मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने वाले कम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं। जिसमें आरोग्य दिवस का अंतर्याम करने के लिए गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को

बनाया है। जिसमें फ्रेंटलाइन वर्कर्स को गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को को दी जाने वाली सेवाओं को दर्ज करना होता है। इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने भी विभिन्न दिनों जारी किया जाता है। साथ ही, चार प्रसव पूर्व फैंड किया जाता है। जिसके बाद प्रसव पूर्व संवर्धित सूचकांकों को जानकारी के आधार पर ही विभिन्न सर्वे की रिपोर्ट दी जाती है। जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयोग नहीं तय रखा है किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो दशाएँ है। इसके लिए विभाग ने मरम चाइटर्ड प्रोटेक्शन कार्ड (एमसीपी)

12 वें सप्ताह के अंदर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण : सदर

प्रबंड के प्रसार प्रशिक्षक मनोज चौधरी ने बताया कि विभागीय निर्देश के अनुसार एमसीपी कार्ड में गुणात्मक प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित करने के लिए 12 वें सप्ताह के अंदर गर्भवतीयों को पंजीकरण किया जाता है। साथ ही, चार प्रसव पूर्व फैंड किया जाता है। जिसके बाद प्रसव स्थान पर इनकी उपलब्धता दिलाई जाती है। यह प्रत्येक माह आशा कैसिलिटर के स्तर से समीक्षा सभी की जाती है। आशा के निर्देशनिःसार एमसीपी कार्ड महिलाओं तथा नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने हेतु काफी मददगार है। राज्य के अंगनबाड़ी के पास उपलब्ध होगा एमसीपी कार्ड : सदर प्रखण्ड के प्रभारी चिकित्सा कार्ड से खबरें आरोग्य दिवस का लिए एक उपलब्ध रूप है। यह रूप से भरा हुआ कार्ड प्रत्येक महिलाओं को अनिवार्य रूप से उपलब्ध किया जाएगा। ताकि कार्यक्रम अंतर्गत दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का प्राप्त समर्थन दिलाई जाए। विभाग के निर्देशनिःसार कार्ड महिलाओं को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जा सके।

लो प्रेशर के कारण शनिवार तक बारिश की संभावना, उसके बाद घटेगा तापमान

नवरात्र के बाद से गुलाबी सर्दियों के दस्तक देने की जताई जा रही संभावना

- दुमरांव प्रखण्ड समेत कई प्रखण्डों में हुई बारिश,
- बारिश के कारण फूटकर विक्रेताओं को झेलनी पड़ सकती है परेशानी



झेलनी में झामाझाम होती बारीश

कुआर का महीना चल रहा है। इस महीने की एक काहावत लंबे समय के अंतर्गत वर्षा की बारिश उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन, अलाम वह था कि बारिश को दिनों में बाराता जाता है कि कुआर के दिन में एक काहावत खेतों में अपने दो दैवी के साथ हो जाए। लेकिन, उसी दिन बारिश हो गई। उसके बाद भी किसान ने जुताई नहीं रोकी। जुताई पूरी करने के बाद जब किसान ने बैलों पर ध्यान दिया, तो उसने देखा कि दो दैवी देखती रही। जुताई के साथ-साथ लेकिन, फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता है कि बारिश पूरे जिले में होगी। यह अशिक्षा।

मानसून की दो दिनों से तीव्र बारिश हो गई। उसके बाद भी किसान ने जुताई नहीं रोकी। जुताई की संभावना जाताई है। लेकिन, जिले में बारिश की बारिश को देखते होते ही वर्षा की बारिश हो गई। यह अशिक्षा।

मानसून की दो दिनों से तीव्र बारिश के असर : कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. देव

